कुल प्रश्नों की संख्या : 24 | कुल पृष्ठों की संख्या : 08

Total No. of Questions: 24 | Total No. of Pages: 08

हायर सेकेण्डरी परीक्षा, दिसम्बर 2021

315

विषय : इतिहास

Subject: HISTORY

(Hindi & English Versions)

समय : 03 घण्टे | पूर्णांक : 100

Time: 03 Hours | Maximum Marks: 100

निर्देश :–

(i) सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य हैं।

(ii) प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक सभी वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है।

(iii) प्रश्न क्रमांक 6 से 10 तक प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं, एवं प्रत्येक का उत्तर लगभग 20 शब्दों में लिखिए।

(iv) प्रश्न क्रमांक 11 से 15 तक प्रत्येक प्रश्न के लिए 3 अंक निर्धारित हैं, एवं प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 30 शब्दों में लिखिए।

(v) प्रश्न क्रमांक 16 से 20 तक प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित हैं, एवं प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए।

(vi) प्रश्न क्रमांक 21 और 22 प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित हैं, एवं प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 75 शब्दों में लिखिए।

(vii) प्रश्न क्रमांक 23 और 24 प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं, एवं प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 150 शब्दों में लिखिए।

Instructions :-

(i) All questions are compulsory.

(ii) Question Nos. 1 to 5 are objective types. Each question is allotted 5 marks.

(iii) Question Nos. 6 to 10 carry 2 marks each and answer should be written in about 20 words each.

(iv) Question Nos. 11 to 15 carry 3 marks each and answer should be written in about 30 words each.

(v) Question Nos. 16 to 20 carry 4 marks each and answer should be written in about 40 words each.

(vi) Question Nos. 21 and 22 carry 5 marks each and answer should be written in about 75 words each.

(vii) Question Nos. 23 and 24 carry 10 marks each and answer should be written in about 150 words each.

schools.aglasem.com

aglasem.com

प्र.1 सही विकल्प का चयन कीजिए – **(5)**

(i) पाषाण युग के औज़ार होते थे –

(अ) लोहे के (ब) पत्थर के

(स) तांबे के (द) कांसे के

(ii) मगध की राजधानी का नाम था –

(अ) कन्नौज (ब) धारानगरी

(स) तक्षशिला (द) पाटलिपुत्र

(iii) तख़्त–ए–ताऊस का निर्माण किसने कराया था?

(अ) शेरशाह (ब) अकबर

(स) शाहजहाँ (द) औरंगज़ेब

(iv) तैमूर ने भारत पर कब आक्रमण किया?

(अ) 1388 ई. (ब) 1398 ई.

(स) 1414 ई. (द) 1415 ई.

(v) भारत में ईस्ट इंडिया कम्पनी की स्थापना कब की गयी?

(अ) 1600 ई. (ब) 1601 ई.

(स) 1602 ई. (द) 1603 ई.

Choose the correct answer -

(i) Stone Age tools were made up of -

(A) Iron (B) Stone

(C) Copper (D) Bronze

(ii) The capital of Magadha was -

(A) Kannauj (B) Dharanagri

(C) Takshila (D) Pataliputra

(iii) Who built the Takht – e – Taus?

(A) Sher Shah (B) Akbar

(C) Shah Jahan (D) Aurangzeb

(iv) When did Timur attack India?

(A) 1388 A.D. (B) 1398 A.D.

(C) 1414 A.D. (D) 1415 A.D.

(v) When was the East India company established in India?

(A) 1600 A.D. (B) 1601 A.D.

(C) 1602 A.D. (D) 1603 A.D.

schools.aglasem.com aglasem.com

प्र.2 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये – (5)

(i) आर्यों ने कुल.....आश्रम निश्चित किए।

(ii) बुलन्द दरवाज़ा .....में स्थित है।

(iii) दिल्ली के सुल्तान .....ने तांबे की मुद्रा का प्रचलन किया।

(iv) सहायक संधि लॉर्ड.....ने लागू की थी।

(v) रामकृष्ण मिशन के संस्थापक .....थे।

Fill in the blanks -

(i) Aryans built a total of.....Ashrams.

(ii) Buland Darwaza is located in.....

(iii) Delhi Sultan.....established copper as a medium of currency.

(iv) Subsidiary Alliance was established by Lord.....

(v) Founder of Ramakrishna Mission was.....

प्र.3 सही जोड़ी बनाइए – (5)

(अ)		(ब)	
(i)	लॉर्ड कर्जन	(a)	इंडोनेशिया
(ii)	डॉ. सुकर्णो	(b)	बंगाल विभाजन
(iii)	ईदी अमीन	(c)	उग्रराष्ट्रवादी नेता
(iv)	अमर्त्य सेन	(d)	अफ्रीकी तानाशाह
(v)	लाला लाजपत राय	(e)	महान अर्थशास्त्री

Match the following -

(A)		**(B)**	
(i)	Lord Curzon	(a)	Indonesia
(ii)	Dr. Sukarno	(b)	Partition of Bengal
(iii)	Idi Amin	(c)	Extremists
(iv)	Amartya Sen	(d)	African Tyrant
(v)	Lala Lajpat Rai	(e)	Great Economist

schools.aglasem.com
aglasem.com

प्र.4 निम्नलिखित वाक्यों में सत्य/असत्य लिखिए – **(5)**

(i) हर्ष का दरबारी कवि बाणभट्ट था।

(ii) अलाउद्दीन खिलजी ने देवगिरि पर आक्रमण किया था।

(iii) फराजी के संस्थापक शरीयत उल्ला ने शुद्धिकरण की शिक्षा दी।

(iv) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना गोपाल कृष्ण गोखले ने की।

(v) रैयतवाड़ी प्रथा लॉर्ड विलियम बैंटिक ने लागू की थी।

State True or False -

(1) The court poet of Harsha was Banbhatta.

(2) Alauddin Khilji attacked Devgiri.

(3) Shariyat Ulla, the founder of Fairaizi Movement, gave the teachings of purification.

(4) Indian National Congress was established by Gopal Krishna Gokhale.

(5) Ryatwari was established by Lord William Bentinck.

प्र.5 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या एक वाक्य में दीजिए – **(5)**

(i) उत्तर वैदिक काल में शिक्षा प्रणाली क्या थी?

(ii) सती प्रथा का अंत किसने किया?

(iii) द्वितीय विश्व युद्ध कब शुरू हुआ?

(iv) सन् 1857 के संघर्ष का तात्कालिक कारण क्या था?

(v) मनसब से क्या अभिप्राय है?

Answer the following question in one word or one sentence -

(1) What was the education system in the post Vedic period?

(2) Who ended Sati Custom?

(3) When did the second world war started?

(4) What was the immediate cause behind the struggle of 1857?

(5) What do you mean by Mansab?

schools.aglasem.com
aglasem.com

प्र.6 मानव प्रजाति के सर्वाधिक प्राचीन अवशेष किस देश से प्राप्त हुए है? (2)

In which country has the most number of ancient relics related to human history found?

अथवा / OR

कावेरी डेल्टा किस फसल के लिए प्रसिद्ध है?

For which crop is the Kaveri delta famous for?

प्र.7 हड़प्पा–वासियों के मेसोपोटामिया के साथ व्यापार के संबंध में लिखिए। (2)

Write about the commercial relations between the Harappans and the Mesopotamian.

अथवा / OR

वेद क्या हैं? ऋग्वेद के बारे में आप क्या जानते हैं?

What are Vedas? What do you know about Rigveda?

प्र.8 हीरा उत्पादन के चार मुख्य केन्द्रों के नाम लिखिए। (2)

Write the names of four major centres of Diamond production.

अथवा / OR

जजमानी प्रथा किसे कहते थे?

What do you mean by Jajmani system?

प्र.9 जहांगीर के काल में चित्रकला में क्या परिवर्तन आए? (2)

What changes occurred in the field of artwork in the period of Jahangir?

अथवा / OR

अकबर ने वजीर की शक्ति क्यों कम की?

Why did Akbar reduce the powers of Wajir?

प्र.10 प्रथम विश्वयुद्ध में शामिल मित्र राष्ट्रों के नाम लिखिए। (2)

Name the allied countries involved in the first world war.

अथवा / OR

मार्क्सवादी (साम्यवादी) साम्राज्यवाद के घोर विरोधी हैं, क्यों?

Why are Marxist people strong opponents of capitalism?

schools.aglasem.com

aglasem.com

प्र.11 प्राचीन पाषाण युग के लोग जीविकोपार्जन के लिए क्या करते थे? (3)

What did the people of the Ancient Stone Age do to earn their living?

अथवा / OR

धम्म महामात्रों के क्या कार्य थे?

What were the duties of Dhamma Mahamatras?

प्र.12 डांडी मार्च अभियान क्या था तथा इसका क्या महत्व था? (3)

What was Dandi March and what was its significance?

अथवा / OR

लॉर्ड कर्जन ने बंगाल का विभाजन क्यों किया?

Why Lord Curzon did the Bengal partition?

प्र.13 दोहरी शासन प्रणाली से क्या तात्पर्य है? (3)

What is meant by Dual Government system?

अथवा / OR

चार्टर एक्ट, 1813 की मुख्य विशेषताएं क्या थी?

What were the main features of Charter Act, 1813?

प्र.14 'स्वदेशी आंदोलन' के बारे में समझाइए। (3)

Explain about the 'Swadeshi Movement'.

अथवा / OR

किन विशिष्ट मुद्दों पर असहयोग आंदोलन की शुरुआत हुई?

What were the main reasons for Non-cooperation Movement?

प्र.15 आर्थिक राष्ट्रवाद का क्या महत्त्व है? (3)

What is the importance of economic nationalism?

अथवा / OR

विधवा विवाह पर किस भारतीय सुधारक ने बल दिया?

Which Indian Reformer stressed on widow remarriage?

schools.aglasem.com

aglasem.com

प्र.16 प्राचीन भारतीय इतिहास को जानने के साहित्यिक स्त्रोतों की जानकारी दीजिए। (4)

Give information about the literary sources of information to understand the ancient Indian history.

अथवा / OR

प्राचीन आर्यों के जीवन में कृषि का क्या महत्त्व था?

What was the importance of agriculture in ancient Aryans?

प्र.17 गुप्तकाल में स्त्रियों की स्थिति पर प्रकाश डालिए। (4)

Throw light on the conditions of women in Gupta Period.

अथवा / OR

गुप्त साम्राज्य के पतन के क्या कारण थे?

What were the reasons behind the decline of the Gupta empire?

प्र.18 रजिया शासक के रूप में क्यों सफल नहीं हुई? (4)

Why did Razia fail as a ruler?

अथवा / OR

मुहम्मद तुगलक की किन्हीं दो योजनाओं की जानकारी दीजिए।

Give information about any two schemes of Muhammad Tughlaq.

प्र.19 तराइन के द्वितीय युद्ध का वर्णन कीजिए। (4)

Explain the Second Battle of Tarain.

अथवा / OR

अकबर के प्रांतीय प्रशासन के बारे में समझाइए।

Explain about the regional administration of Akbar.

प्र.20 शीत युद्ध का अर्थ बताइए। ट्रूमैन सिद्धांत का क्या उद्देश्य था? (4)

What is the meaning of cold war? What was the purpose behind the Truman Doctrine?

अथवा / OR

डेटांट क्या था? इसका जनक कौन था?

What was Detente? Who was its founder?

schools.aglasem.com

aglasem.com

प्र.21 नव पाषाण काल की विशेषताएं लिखिए। (5)

Describe the characteristics of Neolithic age.

अथवा / OR

वर्णाश्रम धर्म की व्याख्या करें।

Explain Varnashrama Dharma.

प्र.22 गांधीजी के जन आंदोलनों को समझाइए। (5)

Explain the mass movements of Gandhiji.

अथवा / OR

असहयोग आंदोलन को समझाइए।

Explain the Non-Cooperation Movement.

प्र.23 मध्यकालीन भारत में व्यापारिक समुदाय ने समकालीन अर्थव्यवस्था और समाज में क्या भूमिका निभाई समझाइए? (10)

How did the business class contribute to existing economy and society in Medieval India?

अथवा / OR

मध्यकालीन भारत की मुद्रा प्रणाली को समझाइए।

Explain the monetary system of Medieval India.

प्र.24 लॉर्ड मैकाले द्वारा भारत में ब्रिटिश शिक्षा के विस्तार को समझाइए। (10)

Explain the expansion of British education in India by Lord Macaulay.

अथवा / OR

मुस्लिम समुदाय को आधुनिक बनाने में सैय्यद अहमद खां की भूमिका बताइए।

What was the role of Syed Ahmed Khan in modernizing the Muslims?

---

schools.aglasem.com

aglasem.com

कुल पृष्ठों की संख्या : 13

हायर सेकेण्डरी परीक्षा, दिसम्बर–2021

आदर्श उत्तर

315

विषय : इतिहास

Subject: HISTORY

उ.1 सही विकल्प का चयन – (5)

(i) (ब) पत्थर के

(ii) (द) पाटलीपुत्र

(iii) (स) शाहजहां

(iv) (ब) 1398 ई.

(v) (अ) 1600 ई.

उ.2 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए – (5)

(i) चार

(ii) फतेहपुर सीकरी (आगरा) में

(iii) मुहम्मद तुगलक

(iv) वेलेजली

(v) स्वामी विवेकानंद

उ.3 सही जोड़ी बनाइए – (5)

(क)		(ख)
(i)	लार्ड कर्जन	(b) बंगाल का विभाजन
(ii)	डा. सुकर्णो	(a) इन्डोनेशिया
(iii)	इदी अमीन	(d) अफ्रीकी तानाशाह
(iv)	अमर्त्य सेन	(e) महान अर्थशास्त्री
(v)	लाला लाजपत राय	(c) उग्रराष्ट्रवादी नेता

schools.aglasem.com
aglasem.com

उ.4 निम्न सत्य/असत्य लिखिए – (5)

(i) सत्य

(ii) सत्य

(iii) सत्य

(iv) असत्य

(v) सत्य

उ.5 एक शब्द या एक वाक्य में उत्तर दीजिए – (5)

(i) गुरूकुल

(ii) राजा राममोहन रॉय ने विलियम वैंटिक के काल में,

(iii) 1939ई.

(iv) चर्बी वाले कारतूस की घटना

(v) मनसब का अर्थ सैनिक पद से है।

मनसबदारी प्रणाली सैन्य व नागरिक प्रशासन पर आधारित थी।

उ.6 मानव प्रजाति के सबसे प्राचीन अवशेष मध्य अफ्रीका से प्राप्त हुए है। (2)

अथवा

उ.6 कावेरी डेल्टा क्षेत्र मानव के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा है यहां चावल की खेती प्रमुख रूप से होती है।

उ.7 हड़प्पा वासियों का आंतरिक और बाह्य दोनों तरह का व्यापार विकसित अवस्था में था। मेसोपोटामिया से मिले शिलालेखो से दिलमुन, मगन और मेलूलूड के साथ व्यापार के संकेत मिलते है। (2)

अथवा

उ.7 वेद शब्द विद् धातु से लिया गया है जिसका अर्थ है ''जानना'' वेद का अर्थ वैदिक साहित्य में निहित पवित्र ज्ञान से है। ''ऋग्वेद'' सबसे प्राचीन वेद है इसमें 1028 सूत्रों का संकलन है जिसे 10 मण्डलों में बांटा गया है। इनमें वैदिक कालीन लोगो के प्रांरभिक जीवन का उल्लेख किया गया है।

schools.aglasem.com

aglasem.com

उ.8 हीरा उत्पादन के प्रमुख केन्द्र – (2)

(i) गोलकुंडा

(ii) वीरगढ़ (बरार)

(iii) पन्ना (मध्यप्रदेश)

(iv) खोखरा (छोटा नागपुर)

अथवा

उ.8 ग्रामीण क्षेत्रों में कारीगर दैनिक उपयोग की वस्तुएं बनाते थे। ये कारीगर गांव के सामाजिक तंत्र का हिस्सा होते थे, जिसे ''जज़मानी प्रथा'' कहते थे।

उ.9 जहांगीर कालीन चित्रकला रूपवादी शैली पर जोर देती है तथा वृहद हाशिये वाले चित्र मिलते है जो वनस्पतियों तथा मानवाकृतियों के चेहरों के चित्रण द्वारा सुसज्जित है। चित्रों की पृष्ठभूमि में वृक्षों, नदियों, पक्षियों तथा नहरों का प्रयोग बहुत ही लोकप्रिय हुआ। (2)

अथवा

उ.9 अकबर बजीर की शक्ति को नियंतित्र करना चाहता था क्योंकि उसका वजीर बैरम खां शक्तिशाली बन चुका था अकबर ने वजीर से सभी वित्तीय अधिकार छीन लिए।

उ.10 प्रथम विश्वयुद्ध में सम्मिलित मित्र राष्ट्र इंग्लैण्ड, फ्रांस और रूस थे। (2)

अथवा

उ.10 साम्राज्यवादी राष्ट्रों ने रूसी क्रांति का दमन करने के लिए सेनाएं भेजी वे सफल नहीं हुए इसलिए मार्क्सवादी साम्राज्यवाद के विरोधी थे साम्राज्यवाद शोषण पर आधारित व्यवस्था है ये भी कारण था।

उ.11 प्राचीन पाषाण युग के लोगों में जीविका पार्जन के लिए शिकार और खाद्य सामग्री संगृहित करने का चलन था। उन्होनें शिकार करने, कुतरने/काटने खोदने और अन्य उद्देश्य के लिए पत्थर के साधारण औजार बनाए। (3)

अथवा

उ.11 अशोक ने अपने राज्य में धम्म महापात्र नामक विशिष्ट प्रकार के काम करने वालों को भी नियुक्त किया। उनका मुख्य काम था निरीक्षण, धर्म के सिद्धांतों का शांतिपूर्ण रूप से पालन हो रहा है।

schools.aglasem.com

aglasem.com

उ.12 गांधी ने डांडी (गुजरात के समुद्रतट पर साबरमती से 385 कि.मी.दूर) में नमक कानून तोड़कर सत्याग्रह अरम्भ करने का निश्चय किया। 12 मार्च 1930ई, को गांधीजी ने साबरमती आश्रम से 78 सत्याग्रहियों के साथ डांडी के लिए कूच किया और 8 अप्रैल को गांधीजी ने विधिवत नमक कानून तोड़ा यही डांडी अभियान था।

कानून तोड़ने की लहर सम्पूर्ण देश में फैल गयी और जहां नमक कानून तोड़ने की सुविधा नहीं थी, वहां अन्य कानून तोड़े गये। **(3)**

अथवा

उ.12 (i) लार्ड कर्जन ने 1905ई. में बंगाल का विभाजन प्रशासन को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु बंगाल का विभाजन किया गया था।

(ii) राष्ट्रवादियों को पृथक करने के लिए बंगाल का विभाजन किया।

(iii) किंतु वास्तविकता यह थी कि हिंदू तथा मुसलमानों में फूट डालने के लिए बंगाल का विभाजन किया।

उ.13 बक्सर के युद्ध के पश्चात् यह व्यवस्था बंगाल में लागू हुई। बंगाल के दीवान के रूप में कम्पनी राजस्व की प्रत्यक्ष वसूली करती थी। जबकि निजामत या पुलिस तथा न्यायिक शक्तियां नबाव के पास थी। यह दोहरी व्यवस्था थी। **(3)**

अथवा

उ.13 इस एक्ट ने –

(i) भारतीय शिक्षित वर्ग को प्रोत्साहित करने, साहित्य के विकास तथा

(ii) भारतीयों के बीच विज्ञान के प्रचार प्रसार पर कंपनी को वार्षिक एक लाख रूपये खर्च करने को कहा। चार्टर एक्ट 1813 ने मिशनरियों को पूरे भारत में यात्रा करने की पश्चिमी शिक्षा का प्रसार तथा अंग्रेजी के माध्यम से ईसाईयत का प्रचार–प्रसार था।

उ.14 स्वदेशी आंदोलन में स्वदेशी पर बल दिया गया कांग्रेस ने अनेक रचनात्मक कार्यक्रम अपनाये जैसे – खादी, चरखा कातना, राष्ट्रीय संस्थाओं का संचालन और विदेशी माल के बजाय स्वदेशी माल का प्रयोग करना आदि। इससे स्वदेशी का प्रचार हुआ और इनके माध्यम से भारतीयों को संगठित करने में सहायता मिली। **(3)**

अथवा

schools.aglasem.com
aglasem.com

उ.14 असहयोग आंदोलन ब्रिटिश शासन के दमन के विरूद्ध भारतीय जनमानस के सभी वर्गो के आक्रोश की अभिव्यक्ति था। गांधीजी ने तीन मुख्य मुद्दों पर आंदोलन किया –

(i) खिलाफत

(ii) पंजाब के साथ अन्याय

(iii) स्वराज

उ.15 आर्थिक राष्ट्रवाद – (3)

(i) किसानों पर भारी कर लगाना

(ii) भारत के साथ असमान व्यवहार

(iii) भारत के कच्चे माल पर एकाधिकार

(iv) भारत की नकदी फसले (कपास, नील, पटसन, चाय) उगाने पर गजबूर करना

जो धन सम्पदा भारत में औद्योगिक विकास के लिए प्रयोग में लाई जा सकती थी वह ब्रिटेन के आर्थिक विकास के लिए प्रयोग में लायी गई।

अथवा

उ.15 ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने महिलाओं के मुददों पर आवाज उठाई। उन्होनें कन्याओं की शिक्षा के विस्तार पर कार्य किया, बहुपत्नी प्रथा तथा बाल विवाह का पुरजोर विरोध किया। यह उनकी ही सक्रियता का परिणाम था कि विधवा पुनर्विवाह कानून 1856ई. में पारित हो गया जिसने सभी विधवा विवाह को वैध करार दिया।

उ.16 प्राचीन भारतीय इतिहास को जानने के स्रोत में – (4)

(i) धार्मिक साहित्य – वेद, पुराण, उपनिषद, मनुस्मृति, आरण्यक, महाकाव्य जैसे रामायाण, महाभारत इत्यादि है।

(ii) धर्मनिरपेक्ष साहित्य – इसमें पाणिति का अष्टाध्यायी, कालिदास का अभिज्ञान शाकुन्तलम, ऋतुसंहार और मेघदूत है।

कश्मीर के इतिहास को जानने के लिए कल्हण की ''राजतरंगिणी'', वाणभट्ट का ''हर्षचरित'' इत्यादि है।

नोट –(विस्तृत व्याख्या पर पूर्ण अंक दिए जाए)

अथवा

schools.aglasem.com

aglasem.com

उ.16 प्रारंभिक वैदिक काल के लोगों को खेती–वाड़ी का ज्ञान नहीं था। पशु चराने के कार्यो की तुलना में खेतीवाड़ी के साक्ष्य बहुत कम मिलते है और लगता है उन्हें कृषि की जानकारी थी और अपनी भोजन संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए खेती करते थे।

ये ''यव'' उगाते थे (आधुनिक जौ या वाले) जिसका अर्थ खाद्यान्नों की जाति की फसलों के लिए प्रयुक्त किया जाता था। पशुपालन और लघुस्तर पर खेती बाड़ी के अतिरिक्त वे अन्य आर्थिक कार्य कलाप भी करते थे। शिकार, बढ़ईगिरी, रंगाई, कपड़ो की बुनाई, रथ बनाना और धातुओं की ढलाई इत्यादि। कृषि अधिकतर वर्षा पर निर्भर थी। थोड़े बहुत सिंचाई के साधन भी थे। आर्य लोग हल बैलों से खेती करते थे खेती में गेहूँ ,जौ, मसूड़, उड़द, तिल भी प्रमुख थे।

उ.17 गुप्तकाल में स्त्रियों की दशा अच्छी नहीं थी। मनुस्मृति ने उन्हें सम्पत्ति में कोई अधिकार नहीं दिया था संयुक्त परिवार में विधवाओं को केवल जीवन वृत्ति मिलती थी स्त्रियों को उपनयन का अधिकार नहीं था, वे वेदाध्ययन कर सकती थीं। शादी सम्बन्धों में स्त्रियों को स्वतंत्रता नहीं थी। यद्यपि इस काल में स्वयंवर की प्रथा प्रचलित थी। विधवाओं को सरल जीवन बिताना पड़ता था। इस काल में सती प्रथा का प्रचलन नहीं था। स्त्रियों में पर्दाप्रथा भी नहीं थी। **(4)**

अथवा

गुप्त साम्राजय के पतन के कारण –

(1) हूणों कि आक्रमण –हूणों का प्रथम आक्रमण राजकुमार स्कंदगुप्त द्वारा विफल कर दिया गया। किंतु गुप्त शासक हूणों के उत्तरवर्ती आक्रमणों से अपने साम्राज्य की रक्षा नहीं कर पाए तथा बार–बार के आक्रमणों ने साम्राज्य को दुर्बल बना दिया इसलिए गुप्तों का पतन हुआ।

(2) क्रूर शासक तोरमाण – ने मध्यभारत भोपाल के निकट ऐरन तक अपना साम्राज्य का विस्तार किया। उसका पुत्र मिहिरकुल सन् 515 में उत्तराधिकारी बना। मालवा के शासक यशोधर्मन तथा गुप्त शासक नरसिंह वाला दिव्य ने मिहिर कुल को पराजित किया। किंतु हुणों पर यह विजय भी गुप्त साम्राज्य को नया जीवन न दे सकी।

(3) आर्थिक ह्रास – मिश्रित धातु की मुद्रा का पाया जाना, आर्थिक स्थिति की कम होने को दर्शाता है। शासकों ने नकद राशि के स्थान पर भूमि के रूप में भुगतान करने की प्रक्रिया को जन्म दिया। भूखण्डों के अधिकार पत्रों से पता चलता है।

(4) धार्मिक तथा साम्प्रदायिक उद्देश्यों से भूखण्ड दान के बदले शासन को सेवाएं प्रदान करने की परम्परा जागीरदारी प्रथा कहलाई। छोटे–छोटे शक्ति केंद्रो ने शासन को चुनौती देने के लिए अपने प्रभाव क्षेत्र का विस्तार किया। फलस्वरूप गुप्तों का पतन हुआ।

schools.aglasem.com
aglasem.com

उ.18 (i) रजिया की विफलता का कारण नारी होना था। नारी होने के कारण तुर्क अमीरों ने उसका साथ नहीं दिया। **(4)**

(ii) तुर्क अमीरों के स्वार्थ ने भी रजिया को असफल किया तुर्क अमीर बहुत शक्तिशाली थे। अतः उनका विरोध करके शासन करना सम्भव नहीं था।

(iii) रजिया को शासन में जनता का सहयोग नहीं मिला।

(iv) इल्तुतमिश के वयस्क पुत्र जीवित थे। षड़यंत्रकारियों ने उनको आधार बनाकर रजिया का विरोध किया

अथवा

मुहम्मद तुगलक की योजनाएं –

(i) सांकेतिक मुद्रा

(ii) राजधानी परिवर्तन

(iii) दोआब में कर वृद्धि

(iv) विजय योजनाएं

(किन्हीं दो की व्याख्या करने पर पूर्ण अंक प्रदान करें)

उ.19 तराइन का द्वितीय युद्ध मुहम्मद गौरी और पृथ्वीराज चौहान के बीच सन् 1192 में लड़ा गया। इस युद्ध को भारतीय इतिहास का निर्णायक मोड़ माना जाता है। मुहम्मद गौरी ने इस आक्रमण के लिए बड़ी चतुराई से तैयारियां की। तुर्की तथा राजपूत सेनाएं एक बार फिर तराइन के मैदान में आमने सामने आई भारतीय सेना हालांकि संख्या में अधिक थी पर तुर्क सेना अधिक सुनियोजित और तेज दौड़ने वाली अश्वारोही टुकड़ी के साथ थी। बड़ी संख्या में भारतीय सैनिक मारे गए। पृथ्वीराज चौहान ने भागने का प्रयत्न किया किंतु उन्हें पकड़ लिया गया। इस पराजय के बाद भारत में तुर्की शासन की नींव पड़ी। **(4)**

अथवा

अकबर ने मुगल साम्राज्य को 12 प्रांतों अथवा सूबों में विभाजित किया। बाद में मुगल साम्राज्य के विस्तार के साथ ही प्रांतों की संख्या बढ़कर बीस हो गई थी। प्रत्येक सूबा सूबेदार अथवा प्रांतीय गर्वनर के अधीन था। ये सम्राट द्वारा सीधे नियुक्त किए जाते थे।

सूबेदार प्रांत का प्रधान होता था। वह राज्य में कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिम्मेदार था। वह कृषि, व्यापार और वाणिज्य को बढ़ावा देता था तथा राज्य का राजस्व बढ़ाता था। वह विद्रोहियों का दमन करता और अभियानों के लिए सेना मुहैया करता था। राजस्व विभाग का प्रमुख दीवान होता था प्रांत में बक्शी, मनसबदारों द्वारा घोड़ो और सिपाहियों की जांच और निरीक्षण के लिए जिम्मेदार था। वह इनके वेतन विल जारी करता था। प्रांतीय स्तर पर सदर न्याय, शिक्षा और धार्मिक गतिविधियों को देखता था कुछ अन्य अधिकारी भी होते थे।

schools.aglasem.com
aglasem.com

उ.20 फ्लेमिंग के अनुसार – शीत युद्ध एक ऐसा युद्ध है जो युद्ध क्षेत्र में नहीं लड़ा जाता, अपितु लोगों के दिमाग में चलता है। इसमें एक व्यक्ति दूसरे के दिमाग को नियंत्रित करने की कोशिश करता है। शीत युद्ध नई महाशक्तियों के बीच शांतिकाल में बिना हथियारों के चलने वाला युद्ध है एक ऐसा मनोवैज्ञानिक युद्ध जिसका उद्देश्य दुश्मन के प्रभाव क्षेत्र को कम करना और अपने समर्थको की संख्या बड़ाना था।

ट्रूमैन सिद्धांत का उद्देश्य अवरोध पर आधारित था अर्थात साम्यवाद को उन क्षेत्रों तक सीमित या अवरूद्ध करना जिन्हें वह पहले जीत चुका है उसे और आगे न बढ़ने देना। इस सिद्धांत का प्रतिपादन अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रूमैन ने किया इसलिए यह ट्रूमैन सिद्धान्त कहलाया। (4)

अथवा

डेटांट शब्द का प्रयोग पश्चिम एवं पूर्व के बीच तनाव में शिथिलता लाने के लिए किया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति निक्सन को ''डेटांट'' का जनक कहा जाता है। डेटांट मतभेद एवं विवादों को ताकत धमकियों एवं सैन्य शक्तियों के प्रदर्शन से नहीं अपितु शांतिपूर्वक ढंग से आमने–सामने बैठकर सुलझाने की इच्छा बताता है। इसका अर्थ है एक दूसरे पर भरोसा करना तथा एक दूसरे के जायज हितों के बारे में सोचना भी है। अमेरिका तथा चीन के रिश्तों में कई वर्षो से खटास चली आ रही है चीन के साथ तनाव शैथिल्य एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि थी। दोनों ने तनाव कम करने की दिशा में अनेक कदम उठाए।

उ.21 नव पाषाणकाल की विशेषताएं निम्न है – (5)

(1) कृषि संबंधी गतिविधियों का आरम्भ

(2) घरों में पशुपालन

(3) तीखे नुकीले पत्थर के औजारों की घिसाई और उन पर पॉलिश की शुरूआत

(4) मिट्टी के बर्तनों का उपयोग

(5) स्थायी आवास की शुरूआत

(नोट –विस्तृत वर्णन करने पर पूर्ण अंक प्रदान करें।)

अथवा

schools.aglasem.com
aglasem.com

समाज को जिन चार वर्णो में बांटा गया, ये थे – ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र

(1) ब्राह्मण – इस काल में बलियों और धार्मिक कर्मकांडो की बढ़ती संख्या ने ब्राह्मणों को बहुत शक्तिशाली बना दिया था। वे विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान कराते थे इसकी वजह से वे बहुत महत्त्वपूर्ण समझे जाते थे।

(2) क्षत्रिय – जो शासक वर्ग थे। ब्राह्मणों के साथ मिलकर ये जीवन के सभी पक्षों पर नियंत्रण करते थे सुरक्षा की जिम्मेदारी इसी वर्ग पर थी प्रायः सैनिक रूप में राज्य की सुरक्षा करना वे अपना कर्त्तव्य समझते थे इसलिए अस्त्रशस्त्र की शिक्षा लेते थे।

(3) वैश्य – वैश्य वर्ण संख्या में बहुत थे, वे कृषि कार्यो के साथ–साथ व्यापार और कारीगरी के काम भी करते थे। ब्राह्मण और क्षत्रिय, वैश्यों के द्वारा दिए जाने वाले दान दक्षिणा उपहार और कर पर निर्भर थे।

(4) शूद्र – शूद्र चौथे वर्ण के लोक सामाजिक श्रेणी क्रम में सबसे निचले स्तर पर आते थे। उन्हें तीनों उच्च वर्णो की सेवा करने का आदेश दिया गया था। उन्हें उपनयन संस्कार (शिक्षा ग्रहण करने के लिए किया जाने वाला पवित्र यज्ञोपवित्र संस्कार जैसे धार्मिक कृत्यों का अधिकार नहीं था।)

उ.22 गांधी के जन. आंदोलन – सन् 1915 में गांधीजी भारत आए। गांधीजी शांतिपूर्ण ढंग से मौजूदा कानूनों का विरोध किया। गांधीजी ने सर्वप्रथम चम्पारण, खेड़ा और अहमदाबाद के तीन आंदोलनों में सफलता प्राप्त की। **(5)**

(1) चम्पारण आंदोलन –

चम्पारण के किसान उन यूरोपीय उपनिवेशों काश्तकारों के खिलाफ आंदोलन कर रहे थे जो उन्हें नील की खेती करने के लिए मजबूर करते थे। गांधी जी ने 1917 इस मामले में खुली जांच करवाना शुरू की। गांधीजी को चंपारण आने से रोकने का प्रयास करने और बाद में सत्याग्रह की धमकी देने पर उन्हें यहां जाने देने से चंपारण आंदोलन का व्यापक प्रचार हुआ। चंपारण आंदोलन का परिणाम यह हुआ कि 'तिन काठिया प्रणाली' को हटा दिया गया जिसके अंतर्गत किसानों को अपनी अधिकृत जमीन 3/20 वे हिस्सें में नील की खेती करनी पड़ती थी।

schools.aglasem.com
aglasem.com

(2) अहमदाबाद आंदोलन – अहमदाबाद के मिल कामगारों का आंदोलन था। गांधीजी ने कामगार और मालिक दोनों पर दबाव डाला कि वे एक नयायाधिकरण यानी ''ट्रिव्यूनल'' के समक्ष वार्ता करे। कामगारों को 35% की वृद्धि दिए जाने के समझौते के साथ इस मामले का समाधान हुआ।

(3) खेड़ा आंदोलन – खेड़ा के किसानों का था, जिनकी फसलों की पैदावार नहीं हो सकी और उन्हें सरकार से जमीनों के लगान की माफी नहीं मिल सकी। गांधीजी के प्रयास से खेड़ा में किसानों को लगान रोकने की सलाह दी तभी सरकार ने यह निर्देश जारी किया कि केवल उन्हीं लोगों से लगान वसूल किया जाए जो उसे अदा कर सकते है तब गांधी जी ने यह आंदोलन वापस ले लिया।

अथवा

असहयोग आंदोलन के कार्यक्रम –

(i) उपाधियों तथा अवैतनिक पदों का त्याग

(ii) स्थानीय निकायों के मनोनीत सदस्यों द्वारा त्यागपत्र देना

(iii) सरकारी अधिकारियों द्वारा अथवा उनके सम्मान में आयोजित उत्सवों में सम्मिलित होने का प्रतिरोध करना

(iv) सरकार द्वारा संचालित, नियन्त्रित अथवा सहायता प्राप्त स्कूलों व कालेजों से धीरे–धीरे बच्चों का वापस आना

(v) वकीलों द्वारा अदालतों का बहिष्कार करना

(vi) सैनिकों लिपिकों व श्रमिको द्वारा विदेश जाने के लिए मनाही

(vii) विधानमण्डलो का वहिष्कार करना

(viii) विदेशी माल का वहिष्कार

(ix) सरकारी शिक्षा संस्थाओं के स्थान पर राष्ट्रीय संस्थाओं की स्थापना

(x) घर–घर में हाथ से बने सूत के कपड़े पहनना

(xi) हिंदु मुस्लिम एकता को प्रोत्साहन देना तथा अस्पृश्यता निवारण का प्रचार करना।

schools.aglasem.com
aglasem.com

उ.23 मध्यकालीन भारत की संपूर्ण काल के दौरान भारत में व्यापारिक समुदाय ने समकालीन अर्थव्यवस्था और समाज में बहुत महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। सल्तनत काल में 'कारवानी' या 'नायक' व्यापारी होते थे जो ग्रामीण क्षेत्रों से अनाज ढोने के विशेषज्ञ थे बाद में इन लोगों को ''बंजारे'' कहा जाता था। **(10)**

मुल्तानी व्यापारी दूर दराज के स्थानों से व्यापार करने में दक्ष थे ये अधिकतर हिन्दू व्यापारी थे। ये अधिकतर हिन्दू व्यापारी थे। वंजारे परिवारो और घरेलू सामान साथ लेकर समूहों में चलते थे। ये मुल्तानी व्यापारी दिल्ली, पंजाब और सिंध के कुछ भागों में बहुत फलते–फूलते रहे उत्तर–भारत और ''दक्कन'' में ''बनिया'' एक और प्रमुख व्यापारिक समुदाय था। इन्हीं के समकक्ष थे पंजाब में ''खतरी'' और गोलकुंडा में ''कोमाती''। व्यापारिक गतिविधियों के साथ –साथ ये लोग ऋण देने का काम भी करते थे। मुगलकाल के दौरान ''बोहरा'' एक अन्य कौम थी जो प्रमुखतः व्यापार से जुड़ी थी। गुजरात, उज्जैन, बुरहानपुर में इनकी काफी संख्या है।

कुछ अन्य प्रमुख व्यापारिक समूह थे ''चैती'' (दक्षिण भारत) कलिंग (कोरोमंडल के समुद्रतट से लेकर उड़ीसा तक) ''कोमाती'' (तेलुगू बोलने वाले व्यापारिक समूह)

सर्राफ – यह समुदाय पैसे के लेन–देन के काम में लगा था।

साहूकार – ब्याज पर ऋण देते थे।

दलाल – मुगलकाल में ''दलाली'' एक बहुत ही व्यापक गतिविधि बन गई ये लोग दो व्यापारिक गतिविधियों या लेन–देन में मध्यस्थ की तरह काम करते थे।

दलालों का कोई निर्धारित शुल्क नहीं होता था यह शुल्क उपभोक्ता वस्तु ओर दलाल द्वारा उस सौदे को पूरा करवाने में निभाए गए प्रयास पर निर्भर होता था।

अथवा

मध्यकाल में नकद लेनदेन के लिए मुख्य तौर पर चांदी और तांवे के सिक्के चलन में थे। सल्तनत काल में चांदी के अलग–अलग अनुपातों वाले चांदी के सिक्के मुख्य मुद्रा थे जिसे टंका कहते थे। ''जितल'' और ''डॉग'' तांबे के सिक्के थे। धातुओं के मूल्य में परिवर्तन के साथ ही सिक्कों के मूल्य में भी अंतर आ जाता था शेरशाह के शासनकाल में पहली बार सोने, चाँदी, और तांबे के सिक्कों में धातुओं की शुद्धता स्थापित की गई। चांदी का ''रूपया'' लेनदेन कारोबार के लिए उपयोग में आने वाला आधारभूत सिक्का था इसका वजन 178 दानों के बराबर था।

schools.aglasem.com
aglasem.com

मुगलों के तांबे के ''दाम'' का वजन 323 दानों के बराबर था। चांदी के रूपये और तांबे के दाम के मूल्य में चांदी की उपलब्धता और अभाव के अनुसार उतार–चढ़ाव होता रहता था। अकबर के काल में 1 चांदी के रूपये का मूल्य 40 तांबे के दामों के बराबर था सोना या अशर्फी का वजन 169 दानों के बराबर होता था।

सिक्को की ढलाई साम्राज्य के सभी भागों में शाही टकसालों में होती थी। अकबर के शासन में सोने के सिक्के 4 टकसालों से, चांदी के सिक्के 14 और तांबे के सिक्के 42 टकसालों से जारी किए जाते थे। औरंगजेब के काल तक रूपयों की टकसालों की संख्या बढ़कर 40 हो गई थी।

उ.24 भारत में अंग्रेजी शिक्षा के पक्ष में माहौल तब बनना आरंभ हुआ जब वैटिंक ने गवर्नर जनरल का पदभार संभाला और लार्ड मैकाले उसकी सलाहकार समिति में कानूनी सदस्य के सम्मिलित हुआ। मैकाले अंग्रेजी शिक्षा का पक्षधर था। मैकाले भारत में अंग्रेजी शिक्षा एक ऐसे वर्ग का निर्माण करेगा जो कि शक्ल सूरत से पूरे तरह भारतीय होंगे किंतु स्वभाव में अंग्रेज। यह समझा गया कि अंग्रेजी माध्यम से प्रशिक्षित ये भारतीय पश्चिमी नीतियां तथा नैतिकता सीखेगें जब औपनिवेशिक ढांचे के साथ जुड़ने की बात आएगी तो ये भारतीय भारत में ब्रिटिश शासन को मजबूत करेंगें। यह ''डाउनवार्ड फिल्ट्रशन सिद्धांत'' था यह शिक्षा जन सामान्य के लिए न होकर पढ़े लिखे तथा कुलीन वर्ग के लिए थी। इस सिद्धांत के अनुसार यह माना गया कि इन कुलीन भारतीयों के माध्यम से अग्रेंजी शिक्षा जनसाधारण में फैलेगीं। **(10)**

मैकाले को यकीन था कि सीमित कोष से यह जन साधारण को ब्रिटिश में शिक्षित नहीं कर पाएगा। इससे बेहतर यह था कि ये मुट्ठी भर भारतीय अंग्रेज भाषांतरकारों का काम करते रहे। यह वर्ग स्थानीय भाषा तथा साहित्य को समृद्ध कर पश्चिमी विसान और साहित्य को जनधन तक पहुंचाने में मदद करेगा। इस सिद्धांत ने ब्रिटिश अफसरशाही से भारतीयों को अधीनस्थ पदों जैसे – कि क्लर्क आदि बनने योग्य बनाया।

यह ब्रिटिश शासकों को बहुत कम खर्च पर पश्चिमी सभ्यता को जन–जन तक फैलाने की नीति थी।

अथवा

schools.aglasem.com
aglasem.com

सर सैय्यद अहमद खां (1817–1898) के नेतृत्व में मुस्लिमों को नई दिशा मिली जिनके अनुसार आधुनिक शिक्षा भारतीय मुस्लिमों की स्थिति में सुधार के लिए आवश्यक थी। उन्होने यूरोपीय विज्ञान तथा तकनीकी शिक्षा पर जोर दिया। सन् 1866 ई. उन्होनें ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन की नींव डाली। वे सन् 1869–70 के दौरान इंग्लैण्ड रहे वापस आकर उन्होंने अपने मुस्लिम समुदाय से अंग्रेज समाज से कुछ सकारात्मक विशेषताओं को अपनाने की सलाह दी जैसे अनुशासन, क्रमबद्धता, कुशलता तथा शिक्षा का उच्चस्तर। उन्होने 1875 में अलीगढ़ में मुहम्मद एंग्लोओरिएंटल कॉलेज की स्थापना की जो मुसलमानों के लिए आधुनिक शिक्षा का मुख्य केंद्र था। विद्यार्थी प्रांरभिक स्तर पर सरकार द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम का अनुसरण करते थे तथा माहौल इस्लामी होता था। सन् 1878 में महाविद्यालय में कक्षाएं आरंभ हुई तथा गैर मुसलमानों ने भी नामांकन कराया। अलीगढ़ के मुस्लिम स्नातकों ने 1882–1902 के दौरान 220 की संख्या में थे। मुस्लिम बुद्धिजीवियों को प्रभावित किया। तथा समाज के साथ एक योग्य तथा आधुनिक नेतृत्व प्रदान किया।

---

schools.aglasem.com
aglasem.com